INDIAN SCHOOL MUSCAT
HALF YEARLY EXAMINATION

CLASS: IX **Sub. Code: 085** **SET A B C**

14.9.2022 **Marking Scheme – HINDI-B- 085** **Max. Marks: 80**

SET A	खंड - क (अपठित गद्यांश)	
प्रश्न 1	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ।**	1×5=5
1	ख) कर्म ही सबसे महत्त्वपूर्ण है ,जीवन में कठिनाइयों और दुखों का सामना करते हुए विजयी बनना	
2	ग) संघर्ष करके	
3	घ) मार्ग दिखाना	
4	क) संघर्षशीलता एवं अपराजेय व्यक्तित्व	
5	ग) जीवन एक कर्मक्षेत्र	
प्रश्न 2	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ।**	1×5=5
1	क) क्योंकि स्वामी वादिराज सभी शिष्यों से बेहद प्रेम ही नहीं बल्कि उनका खयाल भी रखते थे	
2	ख)इसे ऐसे स्थान. पर खाएँ जहाँ पर तुम्हें कोई भी न देख	
3	क) क्योंकि हर जगह एकांत ढूँढ़ने पर उसे लगा कि स्वयं वह और ईश्वर दोनों विद्यमान हैं	
4	घ)इत	
5	ग)सभी शिष्यों को अहसास हुआ **कि** कनकदास अपने चरित्र ,सोच और आध्यात्मिक उपलब्धि में उनसे श्रेष्ठ है।	

	खंड 'ख ' व्यावहारिक व्याकरण	
प्रश्न 3	पद - जब कोई शब्द व्याकरणिक रूप से वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे पद कहते हैं । लड़का विद्यालय जा रहा है ।	2
प्रश्न 4	अंदाज़ा , चॉद , तंबू , सॉप	2
प्रश्न 5	क मॉ ने बेटे को समझाते हुए कहा, "तुम नदी के किनारे धीर -धीरे चलो ।" ख) वाह! तुम फिर प्रथम आ गए ।	3
प्रश्न 6	क)विधानवाचक ख) आज्ञावाचक	2
प्रश्न 7	**क- 1** अ - उपसर्ग , शिक्षा - मूल शब्द ख- **2** उप - उपसर्ग , नेता - मूल शब्द ग- **3** आकर्षण घ- **4** आवट	4
प्रश्न 8	**1-** क सूर्य +अस्त ख- **2** सदा +एव ग- **3** अत्यंत	3
प्रश्न 9	**1** क- हे लाल ! तुम जैसी कृपा और कोई नहीं करता **2** ग- जिसकी छूत संसार भर को लगती है **3** क- जिसकी छूत संसार भर को लगती है **4** क) रैदास **5**क) गरीबों को	5
प्रश्न 10	**1** ख) प्रभु चंदन के समान महान हैं तो भक्त उस चंदन से सुगंधित पानी है **2**क) पंक–जल को	2
प्रश्न 11	**1** ख) लेखक एक संभ्रांत महिला के दुख की चर्चा करता है जिसका जवान बेटा मर गया **2** क) पुत्र वियोग के कारण वह पलंग से न उठ सकी **3**ग) ऑखों से ऑसू न रुक सकते थे **4**क) लोगों के मन उस महिला के दुख से द्रवित हो उठे **5** घ) यशपाल	5
प्रश्न 12	**1** क) धोबी को **2**ख) **23** वर्ष	2
SET B		
प्रश्न 1	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ।**	1×5=5
1	ग) जीवन एक कर्मक्षेत्र	

2	ग) संघर्ष करके	
3	घ) मार्ग दिखाना	
4	क) संघर्षशीलता एवं अपराजेय व्यक्तित्व	
5	ख) कर्म ही सबसे महत्त्वपूर्ण है ,जीवन में कठिनाइयों और दुखों का सामना करते हुए विजयी बनना	
प्रश्न 2	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ।**	1×5=5
1	क) क्योंकि हर जगह एकांत ढूँढ़ने पर उसे लगा कि स्वयं वह और ईश्वर दोनों विद्यमान हैं	
2	क) क्योंकि स्वामी वादिराज सभी शिष्यों से बेहद प्रेम ही नहीं बल्कि उनका खयाल भी रखते थे	
3	घ)इत	
4	ख)इसे ऐसे स्थान. पर खाएँ जहाँ पर तुम्हें कोई भी न देख	
5	ग सभी शिष्यों को अहसास हुआ **कि** कनकदास अपने चरित्र ,सोच और आध्यात्मिक उपलब्धि में उनसे श्रेष्ठ है।	
	खंड 'ख ' व्यावहारिक व्याकरण	
प्रश्न 3	पद - जब कोई शब्द व्याकरणिक रूप से वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे पद कहते हैं । लड़का <u>विद्यालय</u> जा रहा है ।	2
प्रश्न 4	अंदाज़ा , चाँद , तंबू , साँप	2
प्रश्न 5	क माँ ने बेटे को समझाते हुए कहा, "तुम नदी के किनारे धीर -धीरे चलो ।" ख) वाह! तुम फिर प्रथम आ गए ।	3
प्रश्न 6	क)विधानवाचक ख) आज्ञावाचक	2
प्रश्न 7	**क- 1** अ – उपसर्ग , शिक्षा – मूल शब्द ख- **2** उप – उपसर्ग , नेता – मूल शब्द ग- **3** आकर्षण घ- **4** आवट	4
प्रश्न 8	क **3** अत्यंत ख- **1** सूर्य +अस्त ग- **2** सदा +एव	3
प्रश्न 9	**1** क- हे लाल ! तुम जैसी कृपा और कोई नहीं करता **2** ग- जिसकी छूत संसार भर को लगती है **3** क- जिसकी छूत संसार भर को लगती है	5

	4 क) रैदास 5क) गरीबों को	
प्रश्न 10	1 ख) प्रभु चंदन के समान महान हैं तो भक्त उस चंदन से सुगंधित पानी है 2क) पंक–जल को	2
प्रश्न 11	1 ख) लेखक एक संभ्रांत महिला के दुख की चर्चा करता है जिसका जवान बेटा मर गया 2 क) पुत्र वियोग के कारण वह पलंग से न उठ सकी 3ग) ऑखों से ऑसू न रुक सकते थे 4क) लोगों के मन उस महिला के दुख से द्रवित हो उठे 5 घ) यशपाल	5
प्रश्न 12	1 क) धोबी को 2ख) 23 वर्ष	2
SET C		
प्रश्न 1	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ।**	
1	ग) जीवन एक कर्मक्षेत्र	
2	क) संघर्षशीलता एवं अपराजेय व्यक्तित्व	
3	ग) संघर्ष करके	
4	घ) मार्ग दिखाना	
5	ख) कर्म ही सबसे महत्त्वपूर्ण है ,जीवन में कठिनाइयों और दुखों का सामना करते हुए विजयी बनना	
प्रश्न 2	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ।**	
1	ख)इसे ऐसे स्थान. पर खाएँ जहॉ पर तुम्हें कोई भी न देखे	
2	क) क्योंकि स्वामी वादिराज सभी शिष्यों से बेहद प्रेम ही नहीं बल्कि उनका खयाल भी रखते थे	
3	ग सभी शिष्यों को अहसास हुआ **कि** कनकदास अपने चरित्र ,सोच और आध्यात्मिक उपलब्धि में उनसे श्रेष्ठ है।	
4	घ)इत	
5	क क्योंकि हर जगह एकांत ढूँढ़ने पर उसे लगा कि स्वयं वह और ईश्वर दोनों विद्यमान हैं	
	खंड 'ख ' व्यावहारिक व्याकरण	
प्रश्न 3	पद - जब कोई शब्द व्याकरणिक रूप से वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे पद कहते हैं । लड़का विद्यालय जा रहा है ।	

प्रश्न 4	अंदाज़ा , चॉद , तंबू , सॉप	
प्रश्न 5	क मॉ ने बेटे को समझाते हुए कहा, "तुम नदी के किनारे धीर -धीरे चलो ।" ख) वाह! तुम फिर प्रथम आ गए ।	
प्रश्न 6	क)विधानवाचक ख) आज्ञावाचक	
प्रश्न 7	**क- 1** अ – उपसर्ग , शिक्षा – मूल शब्द ख- **2** उप – उपसर्ग , नेता – मूल शब्द ग- **3** आकर्षण घ- **4** आवट	
प्रश्न 8	क **2** सदा +एव ख- **1** सूर्य +अस्त ग- **3** अत्यंत	
प्रश्न 9	**1** क- हे लाल ! तुम जैसी कृपा और कोई नहीं करता **2** ग- जिसकी छूत संसार भर को लगती है **3** क- जिसकी छूत संसार भर को लगती है **4** क) रैदास **5**क) गरीबों को	
प्रश्न 10	**1** ख) प्रभु चंदन के समान महान हैं तो भक्त उस चंदन से सुगंधित पानी है **2**क) पंक–जल को	2
प्रश्न 11	**1** ख) लेखक एक संभ्रांत महिला के दुख की चर्चा करता है जिसका जवान बेटा मर गया **2** क) पुत्र वियोग के कारण वह पलंग से न उठ सकी **3**ग) ऑखों से ऑसू न रुक सकते थे **4**क) लोगों के मन उस महिला के दुख से द्रवित हो उठे **5** घ) यशपाल	5
प्रश्न 12	**1** क) धोबी को **2**ख) **23** वर्ष	2
	SET A B C	
प्रश्न 13	क मोती' के संदर्भ में 'पानी' का अर्थ है-चमक। रहीम का कहना है कि चमक के बिना मोती का कोई मूल्य नहीं होता मानुष' के संदर्भ में 'पानी' का अर्थ है-आत्म-सम्मान। रहीम का कथन है कि आत्म-सम्मान के बिना मनुष्य का कोई मूल्य नहीं होता। चून' के संदर्भ में पानी का महत्त्व सर्वोपरि है। बिना पानी के आटे की रोटी नहीं बनाई जा सकती। इसलिए वहाँ पानी का होना अनिवार्य है। ख उत्तर-प्रेम आपसी लगाव, आकर्षण और विश्वास के कारण होता है। यदि एक बार यह लगाव और विश्वास टूट जाए तो फिर उसमें पहले जैसा भाव नहीं रहता। एक दरार मन में आ ही जाती है। ठीक वैसे जैसे कि धागा टूटने पर जुड़ नहीं पाता। यदि उसे जोड़ा जाए तो गाँठ पड़ ही जाती है। ग संत कवि रैदास अपने आराध्य प्रभु से अत्यंत घनिष्ठ प्रेम करते हुए अनन्य भक्ति भाव रखते हैं। वे अपने	6

	प्रभु से मिलकर उसी प्रकार एकाकार हो जाते हैं; जैसे-चंदन के साथ पानी, घन के साथ मोर, चाँद के साथ चकोर और सोने के साथ सुहागा। वे अपने प्रभु से अनन्य भक्ति करते हैं। उनका प्रभु गरीबों को उद्धार करने वाला है। वह गरीब निवाज गरीबों के माथे पर भी छत्र सुशोभित करने वाला है, अछूतों का उद्धार करने वाला, नीचों को ऊँचा करने वाला तथा अपनी कृपा से सभी का उद्धार करने वाला है।	
प्रश्न 14	क -दुख का अधिकार कहानी को पढ़कर ऐसा लगता है कि संभ्रांत व्यक्तियों का दुख ज्यादा भारी होता है। उन्हें दुख व्यक्त करने का अधिकार है। उनके दुख को देखकर आसपास के लोग भी दुखी ही नहीं होते हैं, बल्कि उनके प्रति सहानुभूति दर्शाते हैं। ठीक उसी प्रकार के दुख से जब कोई गरीब दुखी होता है तो लोग उसका उपहास ही नहीं उड़ाते है बल्कि उससे घृणा भी प्रकट करते हैं। वे तरह की बातें बनाकर उस पर कटाक्ष करते हैं, मानो गरीब को दुख मनाने का कोई अधिकार ही नहीं है। इस पाठ की पूरी कहानी इसी दुख के आसपास घूमती है अतः यह शीर्षक पूर्णतया सार्थक है। ख जय बचेंद्री पाल का पर्वतारोही साथी था। उसे भी बचेंद्री के साथ पर्वत-शिखर पर जाना था। शिखर कैंप पर पहुँचने में उसे देर हो गई थी। वह सामान ढोने के कारण पीछे रह गया था। अतः बचेंद्री उसके लिए चाय-जूस आदि लेकर उसे रास्ते में लिवाने के लिए पहुँची। जय को यह कल्पना नहीं थी कि बचेंद्री उसकी चिंता करेंगी और उसे लिवी लाने के लिए आएँगी। इसलिए जब उसने बचेंद्री पाल को चाय-जूस लिए आया देखा तो वह हक्का-बक्का रह गया। ग लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया ने वह सब उपाय किए जो उसकी सामर्थ्य में थे। साँप का विष उतारने के लिए झाड फेंक करने वाले ओझा को बुला लाई ओझा ने झाड़-फेंक की। नागदेवता की पूजा की गई और घर का आटा और अनाज दान-दक्षिणा के रूप में दे दिया गया। उसने अपने बेटे के पैर पकड़कर विलाप किया, पर विष के प्रभाव से शरीर काला पड़ गया और वह मृत्यु को प्राप्त कर गया।	6
प्रश्न 15	क महादेवी ने देखा कि गिल्लू अपने हिसाब से जवान हो गया था। उसका पहला वसंत आ चुका था। खिड़की के बाहर कुछ गिलहरियाँ भी आकर चिकचिक करने लगी थीं। गिल्लू उनकी तरफ प्यार से देखता रहता था। इसलिए महादेवी ने समझ लिया कि अब उसे गिलहरियों के बीच स्वच्छंद विहार के लिए छोड़ देना चाहिए। लेखिका ने गिल्लू की जाली की एक कील इस तरह उखाड़ दी कि उसके आने-जाने का रास्ता बन गया। अब वह जाली के बाहर अपनी इच्छा से आ-जा सकता था। ख हिंदू संस्कृति में ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में हमारे पूर्वज हमसे कुछ पाने के लिए कौए के रूप में हमारे सामने आते हैं। इसके अलावा कौए हमारे दूरस्थ रिश्तेदारों के आगमन की सूचना भी देते हैं, जिससे उसे आदर मिलता है। दूसरी ओर कौए की कर्कश भरी काँव-काँव को हम अवमानना के रूप में प्रयुक्त करते हैं। इससे वह तिरस्कार का पात्र बनता है। इस प्रकार एक साथ आदर और अनादर पाने के कारण कौए को समादरित और अनादरित कहा गया है। ग • लेखक को झूठ बोलना नहीं आता था। • चिट्ठियों को डाकखाने में डालना लेखक अपनी जिम्मेदारी समझता था। • लेखक को अपने भाई से रुई की तरह पिटाई होने का भय था।	6

	• वह साँप को मारना बाएँ हाथ का काम समझता था, जिससे चिट्ठियाँ उठाना उसे आसान लग रहा था।	
प्रश्न 16	**अनुच्छेद - भूमिका 1** अंक, विषयवस्तु **4** अंक , भाषा **1** अंक	6
प्रश्न 17	**पत्र-** प्रारूप **1** अंक , विषयवस्तु **4** अंक , भाषा **1** अंक	6
प्रश्न 18	संवाद- विषयवस्तु **3** अंक, भाषा **1** अंक , संवादों की क्रमबद्धता **1** अंक	5
प्रश्न 19	चित्र वर्णन- भाषा शैली - **2**अंक विषयवस्तु - **3** अंक	5